



नीति आयोग

# नीति आयोग ने शुरू किया 'वुमेन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया: उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं की सफलता का जश्न' का दूसरा संस्करण

Posted On: 08 MAR 2017 7:25PM by PIB Delhi

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2017 के अवसर पर नीति आयोग भारत में यूएन और mygov के सहयोग से वुमेन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया का दूसरा संस्करण प्रस्तुत करता है। यह उपलब्धियां हासिल करने वाली देशभर की महिलाओं, नेताओं और परिवर्तन लाने वाली महिलाओं की सफलता का जश्न मनाने के लिए एक ऑनलाइन प्रतियोगिता है।

वुमेन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया को विभिन्न समुदायों के बीच जमीनी स्तर पर महिलाओं द्वारा लाए गए परिवर्तन की सफल कहानियों पर ध्यान देने के प्रयास के तहत 2016 में शुरू किया गया था। इसके तहत ग्रामीण छत्तीसगढ़ की 104 वर्षीय महिला, जिन्होंने अपने गांव में शौचालय बनाने के लिए अपनी बकरियां बेच दीं और विधवा एवं असहाय महिलाओं के अधिकारियों के लिए लड़ाई लड़ने वाली हिमाचल प्रदेश की एक विधवा सहित 12 असाधारण महिलाओं को समाज में परिवर्तन लाने में उनके अभूतपूर्व कार्य के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र के साथ सम्मानित किया गया था।

नीति आयोग के 15 वर्षीय दृष्टि पत्र में भी भारत के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान करने वाली महिला कार्यबल को सक्षम बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण सुधारों का प्रस्ताव है। यह सतत विकास लक्ष्यों खासकर लैंगिक समानता के लक्ष्य 5 के अनुरूप है जिसे नीति निर्माण में शामिल करने पर नीति आयोग जोर दे रहा है।

नीति आयोग इस साल एक बार फिर भारत के कार्यबल में शामिल उन महिलाओं को पहचानने का लक्ष्य रखा है जिन्होंने एक नया इतिहास रचा है और अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाकर भारत सरकार के समावेशी आर्थिक विकास के मिशन को बल दिया है।

हम दो श्रेणियों में प्रविष्टियां मंगा रहे हैं:

घिसी-पिटी लैंगिक परंपराओं को तोड़ने वाली महिलाओं पर संक्षिप्त वीडियो और फोटो प्रतियोगिता: यह मोबाइल फोन से घर पर बनाई गई वीडियो हो सकती है। फोटो और वीडियो दोनों के साथ अधिकतम 50 शब्दों में एक छोटा-सा कैप्शन होना चाहिए जिसमें उस महिला की कहानी का वर्णन हो।

कामकाजी महिलाओं की लिखित प्रविष्टियां: हम शैक्षणिक योग्यताओं पर गौर किए बिना सभी क्षेत्र की महिलाओं, गैर-पारंपरिक व्यवसायों में काम करने वाली महिलाओं और उन महिलाओं की कहानियों को प्रोत्साहित करते हैं जो अन्य महिलाओं, पड़ोसियों एवं समाज को किसी तरह से सशक्त बनाने के लिए काम कर रही हैं। कहानी अधिकतम 500 शब्दों में होनी चाहिए।

प्रविष्टियां 1 मई 2017 को अथवा इससे पहले यहां: <https://www.mygov.in/task/women-transforming-india-2017-breaking-glass-ceiling/> अवश्य ऑनलाइन जमा कराएं। एक निर्णायक मंडल द्वारा चयनित 10 सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों को MyGov.in पर मतदान के लिए रखा जाएगा। शीर्ष तीन प्रविष्टियों के निर्धारण के बाद नीति आयोग द्वारा गठित निर्णायक मंडल अंतिम विजेता प्रविष्टि की घोषणा करेगा।

'वुमेन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की गहरी प्रतिबद्धता का एक अन्य उदाहरण है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सहित सरकार की तमाम पहल लड़कियों को शिक्षित एवं सशक्त बनाने और लड़कियों एवं महिलाओं के खिलाफ भेदभाव एवं हिंसा से निपटने के लिए उसकी प्रतिबद्धता की गवाही है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2017 का विषय 'वुमेन इन द चेंजिंग वर्ल्ड ऑफ वर्क: प्लैनेट 50-50 बाई 2030' पर केंद्रित है। यह महिला आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देते हुए भारत में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाता है।

\*\*\*\*\*

AKT/SH/VK/SKC

(Release ID: 1483986) Visitor Counter : 18

